जिसके हृदय में भगवान होते है,उसे हर कण कण में होते है भगवान के दर्शन : वंदना श्रीजी

इंदौर • इंदौर संकेत प्रतिनिधि

हर व्यक्ति अपने बच्चो को अच्छे संस्कार दे,उन्हे संस्कारित करे,बच्चो को मंदिर ले जाए भगवान के दर्शन कराए,बच्चो को हनुमान चालीसा का पाठ बचपन से करना सिखाएं,उससे युवा पीढ़ी धर्म के प्रति जाग्रत होगी, प्रत्येक घर में बनने वाले भोजन को प्रसादी समझकर ही ग्रहण करना चाहिए,पहले भगवान को प्रसादी का भोग लगाए फिर उसे ग्रहण करे। हरि का आश्रय लेकर जीवन में जीना चाहिए,मंदिरों में मूर्ति नही स्वयं भगवान विराजते है, जिसके हृदय में भगवान होते है उसी को भगवान के दर्शन होते है,उसे हर कण कण में भगवान दिखते है,भगवान के नाम में आनंद ही आनंद है, जो व्यक्ति भगवान का भजन सकीर्तन करता है उसके हृदय में भगवान जरूर होते है,भगवान हरि स्मरण प्रतिदिन करना चाहिए,जीवन में हमेशा भगवान से प्रेम करना चाहिए।